



# लौट रहा गठबंधन का दौर, देश के लिए अच्छा संकेत नहीं

■ एनडीए बनाम आइएनडीआई के बीच पिस कर रह जायेगी विकास की गाड़ी

■ बड़े राजनीतिक दलों को इसके नफा-नुकसान का आकलन कर लेना चाहिए

लोकतंत्र के यज्ञ में सबसे बड़ी आहति (यानी चुनाव) देने के लिए तैयार हो रहे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रिक देश का सियासी माहात्मा अब गरमाने लगा है। इसकी फिजाओं में चुनावी अंग महसूस होने लगी है। लेकिन इस बार आकार ले रहे सियासी परिदृश्य ने एक चिंता भी पैदा कर दी है और वह है गठबंधन का दौरा देश पिछली शाताव्दी के अंतिम दशक में गठबंधन की राजनीति का दौर देख चुका है और उसकी कीमत भी अदा कर चुका है। इसलिए देश के लोगों को इसकी चिंता है। वास्तव में गठबंधन की राजनीति का दैयेय सर्वसमावेशी

है। यह 'बहुजन हिताय' से 'सर्वजन हिताय' की ओर बढ़ने का माध्यम है। लेकिन गठबंधन की राजनीति के अंतर्विरोध भी खूब हैं। गठबंधन में शामिल छोटे-छोटे दलों के नेता व्यक्तिगत स्वार्थों और राजनीतिक महत्वाकांक्षा के कारण गठबंधन का नेतृत्व करनेवाले दल पर दबाव बना कर अपने निजी हितों की पूर्ति

## आजाद सिपाही विशेष

करना चाहते हैं। इसलिए राजनीतिक विविधाओं से भरे भारत में गठबंधन की सरकारें हकीकत भी हैं और फसाना भी। शायद इसलिए आजादी के बाद से ही मिली-जुली सरकारों को देश के लिए अभिशप बताने वाली कांग्रेस पार्टी वे कांटे से कांटा निकालने की तर्ज पर वर्ष 2004 में यूपी गठबंधन को अमली

जामा पहनाया और गठबंधन के बूते लगातार 10 साल तक सत्ता सुख भोगा। लेकिन वर्ष 2014 में भाजपा के स्पष्ट बहुमत प्राप्त होने के बाद छोटे दलों की अहमियत वह नहीं रही, जो 90 के दशक में थी। पिछले नौ वर्षों में विपक्षी एकता की तमाम कोशिशें हुईं, पर नतीजा सिफर ही रहा। अब जबकि 2024 का आम चुनाव नजदीक आ रहा है, एक बार फिर गठबंधन पर सबका जोर है। क्या है गठबंधन की राजनीति और इसका देश पर क्या असर पड़ता है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

देश की सियासत की वर्धमान गतिविधियों का पहला निष्कर्ष यही निकलता है कि भारत पर क्या से गठबंधन सरकारों और राजनीति के दौर में वापस जा रहा है। एक ओर, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 का बहुमत मिला। इस बात का परिचायक था कि लोगों ने एक दल बहुमत वाली सरकार की नीतियों के प्रति संतोष व्यक्त किया है। तीसरे, वैसे तो कई राज्यों में कुछ दलों की अकेले बहुमत वाली सरकारें चली रहीं, किंतु नेंद्र मोदी के राष्ट्रीय राजनीति में अधिकारों के साथ भाजपा को 2013 में तीन राज्यों में अपार बहुमत मिला। पिछले 2017 में सबसे जल्दी सरकार परिणाम उत्तरप्रदेश विधानसभा का आया और 2022 जर्नीति वर्ष चल रहा है। आज से ठीक 25 साल पहले 1998 में नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) नामक राजनीतिक मोर्चे का गठन हुआ था। इसका श्रेष्ठ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। बाबरी विवर्स के बाद राजनीतिक रूप से लाभग्राह अद्युत बांदी गयी थी। इसके बाद गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हो गया। 1990 और 2000 के दशक में राज्यों के कई सरकारों की शपथ लेनेवाले अटल जी के नेतृत्व में देश में देश में फली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार ने अपना कार्यकाल भी पूरा किया।

इस हकीकत को जानने के बाद यहां दो प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहला, क्या वार्कइंग वर्तमान 11 महीने भी नहीं चली और उसके



बाद चंद्रशेखर की सरकार तो चार महीने भी नहीं चल सकी। फिर प्रधानमंत्री नरसिंह राव को अपनी सरकार बचाने के लिए जो कुछ करना पड़ा, उसका परिणाम देश के समक्ष रिश्वत कांड के रूप में सामने आया। संयुक्त मोर्चा की सरकार इनके बाद अपने एक दल के गैर-बहुमत वाली सरकार को स्वीकार करने की मानसिकता में नहीं था। देश का यह मानस अचानक नहीं बदला। दो अंतर्वर्ष, 1989 से देश में भाजपा को इससे न सिर्फ संजीवी भी मिली, बल्कि तीसी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेनेवाले अटल जी के नेतृत्व में देश में फली बार किसी गैर कांग्रेसी सरकार ने अपना कार्यकाल भी पूरा किया।

इस हकीकत को जानने के बाद यहां दो प्रश्न उत्पन्न होते हैं। पहला, क्या वार्कइंग वर्तमान

मान लिया है कि विपक्षी गठजोड़ में जिनेने ज्यादा दल होंगे, उसका चुनौती देने की संभावना उत्तीर्णी ही ज्यादा बढ़ेगी। इसलिए उन सारे दलों को साथ लाने की रणनीति अपनायी गयी है। जाहिर है, गठजोड़ की यह राजनीति दलों की आपसी व्यवस्था की परिणति है और यह भारतीय राजनीति की देख भर लगता है कि गठबंधन बनते ही हैं बिगड़ने के लिए। बिंदुबाना यह है कि गठबंधन बनाते समय जोर चेहरे पर रहता है, तो वह आजादी के बाद से ही विभिन्न स्वरूप में सामने आता रहा है। सदन के भीतर विपक्षी दलों के गठबंधन वाली लोकसभा, यानी 1952 के गठन के लिए जाता है। बहराहाल, पिछले 25 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर दो दीर्घजीवी और सफल गठबंधन रहे हैं। पहला भाजपानीत एनडीए

गठबंधन पश्चिम बंगाल में और दूसरा कांग्रेसीत यूपी। एनडीए का यह सिल्वर जुली चुनौती अब वे 'न तीन में रह ये वर्ष हैं, न तेरह में', इसलिए उनकी गिनती तो छोड़ दी जाए। चर्चा तक बेमानी हो गयी है। हाल के वर्षों में केंद्र से लेकर राज्यों तक समय-समय पर बनाने वाले गठबंधनों को शामिल करने की विधियाँ देख भर लगता है कि गठबंधन बनते ही हैं बिगड़ने के लिए। बिंदुबाना यह है कि गठबंधन बनाते समय जोर चेहरे पर रहता है, तो वह आजादी के बाद से ही विभिन्न स्वरूप में सामने आता रहा है। इसलिए उन सारी राजनीतिक दलों को बदली लोकसभा की बंदरबांद का ही होता है। बहराहाल, पिछले 25 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर दो दीर्घजीवी और सफल गठबंधन के आधार पर सबसे लंबा

और दूसरा कांग्रेसीत यूपी। एनडीए का यह सिल्वर जुली चुनौती अब वे 'न तीन में रह ये वर्ष हैं, न तेरह में', इसलिए उनकी गिनती तो जुटा है, लेकिन लगे हाथों एनडीए के शिविर में छोड़ देख रहे हैं। तरह के दलों को शामिल करने की विधियाँ देख भर लगता है कि गठबंधन बनते ही हैं बिगड़ने के लिए। बिंदुबाना यह है कि गठबंधन बनाते समय जोर चेहरे पर रहता है, तो वह आजादी के बाद से ही विभिन्न स्वरूप में सामने आता रहा है। इसलिए उन सारी राजनीतिक दलों को बदली लोकसभा, यानी 1952 के गठन के लिए जाता है। बहराहाल, पिछले 25 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर दो दीर्घजीवी और सफल गठबंधन रहे हैं। पहला भाजपानीत एनडीए

## झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेन्टर, कोडरमा

"मिनी रोजगार मेला-2023"

— सूचना —

एतद् द्वारा सभी शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतीयों को सूचित किया जाता है कि जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेन्टर, कोडरमा कार्यालय के द्वारा दिनांक: 24 अगस्त, 2023 को जिला नियोजनालय, कोडरमा में प्रार्वाहन 10:00 PM तक से अपराह्न 04:00 बजे तक एक दिवसीय "मिनी रोजगार मेला-2023" का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें निम्नलिखित प्रतिष्ठानों ने अपनी उपार्थिति की सहायता जारी की है, जिसका विवर निम्न प्रकार है:

S. N.	Name of the Establishment & Address	Name of the Post	No. of Post	Qualification	Age	Pay & Allow.	Experience	
01	Manoranjan Singh, Outsource Company of KTPS, Koderma	Supervisor	02	10 <sup>th</sup> Pass	---	18-40 Yrs.	16250/PM	---
		TGT/Chemistry Assist. Personality Development BIO Lab Assist. PRT Hindi	01	M.Sc/B.Ed	--	22-35 Yrs.	25K/PM	Min. 02 Year
02	Grizzly Vidyalya, Jhumri Telaiya, Koderma	PRT English	01	MA/B.Ed	--	22-35 Yrs.	18K/PM	Min. 01 Year
		TGT English	01	MA/B.Ed	--	22-35 Yrs.	25K/PM	Min. 01 Year
		PRE Primary	02	B.Ed	D.E.L.Ed	22-35 Yrs.	18K/PM	Min. 02 Year
03	JKI Infrastructure Pvt Ltd, Jhumri Telaiya, Koderma	Primary S.S.T	01	B.Ed	D.E.L.Ed	22-35 Yrs.	18K/PM	







# संपादकीय

## मत्लिकार्जुन खड़गे की नयी टीम

**कां** ग्रेस अध्यक्ष मत्लिकार्जुन खड़गे ने आखिर अपनी नयी कार्यसमिति गठित कर ली। इसके साथ ही जो वह शिक्षायत की जा रही थी कि पार्टी ने नया अध्यक्ष तो चुना, लेकिन उसे अपनी टीम नहीं दे गा रही, वह दूर हो गयी। नयी कार्यसमिति का वह गठन ऐसे समय किया गया है, जब आम चुनाव करीब आ चुके हैं। इससे फले कई राज्यों के विधानसभा चुनाव भी हो गए हैं, जो राजनीतिक तौर पर अहम माने जा रहे हैं। इससे संदर्भ में नयी कार्यसमिति पर गोंद किया जाये, तो सफाई हो जाता है कि बीतों पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने तीन अम्ब सदेश इसके जरिये दिये हैं। घबली बात यह कि अध्यक्ष के निवाचन से फले पार्टी में जो तमेव और अस्थिरता का अलाम था, वह दूर हो चुका है। पार्टी अब अपने नये अध्यक्ष की अमुआई में एकत्रृत है। वह स्पष्ट होता है कि इस तथ्य से कि कवियत जी-23 यारी असंतुष्ट नेताओं में शामिल कर लिए गये हैं। हालांकि वह जी-23 कभी औपचारिक रूप नहीं ले पाया था, लेकिन फिर भी इनमें से कई नेताओं ने नेतृत्व के सम्माने अपनी मार्गी रखी थीं। पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद इन नेताओं ने स्पष्ट कर दिया था कि उनके उत्तरों मुद्दों को पार्टी ने सही ढंग से संबोधित किया और अब उन्हें कोई शिक्षायत नहीं है।

खड़गे का संकेत स्पष्ट है कि सर्विज पायलट की अहिंसा कम नहीं हुई है, आगे की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा वह बने रहेगा। इसके अलावा युग्म नेतृत्व को गौका देने और निर्विजन क्षेत्रों और तबकों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश नहीं है, जो स्वाभाविक है।

कर्य दिया। दूसरी बात पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की भवाना को प्रतिवित करने की है। अध्यक्ष पर के प्रत्यासों के तौर पर शिथर ने पार्टी के खिलाफ तो कुछ नहीं कहा था, लेकिन वह इंग्रेस जस्तर दिया था कि वह स्वतंत्र फैसले करेंगे। ध्यान रहे, खड़गे को गांधी परिवार समर्पित प्रत्यासी माना जा रहा था। ऐसे में उनकी बातों से साफ था कि वह पार्टी को खास परिवार के साथ से बाहर लायेंगे, जबकि खड़गे शायद ऐसा न कर पाये। जाहिर है, संकीर्ण नजरिया कर हर रात था कि चुनाव हार जाने के बाद शिथर थर्सले पार्टी में हासिये पर पहुंचा दिये जायेंगे, लेकिन खड़गे ने कार्यसमिति में शामिल कर उन्हें वह समान दिया, जिसके थर्सल हकदार थे। तीसरा बड़ा संकेत सचिन गढ़लाल को इसमें शामिल करके दिया गया है। जबकि अप्सोक गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री पर पर बने रह गये हों, लेकिन खड़गे को संकेत स्पष्ट है कि सचिन पायलट की अहिंसा कम नहीं हुई है, आगे की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा वह बने रहेंगे। इसके अलावा युग्म नेतृत्व को गौका देने और निर्विजन क्षेत्रों और तबकों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश भी है, जो स्वाभाविक है। कुमार मिला कर कहा जा सकता है कि खड़गे ने टीम बनाने में थोड़ी देर जरूर की, लेकिन काम ठोक-बजाकर किया।

### अभिमत आजाद सिपाही

केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के काल के बने हुए मूलभूत तीन कानूनों भारतीय दंड सहिता (1860), भारतीय साध्य अधिनियम (1872) व भारतीय साध्य अधिनियम (1873) में आधारभूत एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का प्रस्ताव पेश किया है, जिसके अनुसार दंड तो मिलेगा, मगर समय रहते न्याय भी जल्दी मिलेगा। संपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया में परिवर्तन किया जा रहा है तथा पुलिस व न्यायालयों के एक निश्चित समय सीमा में अन्वेषण व द्रव्यल पूरा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है तथा गैर-अनुपालन के लिए जिम्मेदार भी ठहराया जायेगा। इन अधिनियमों की किये जाने वाले कुछ बदलाव इस प्रकार से हैं।

केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के काल के बने हुए मूलभूत तीन कानूनों भारतीय दंड सहिता (1860), भारतीय दंड प्रक्रिया (1873) व भारतीय साध्य अधिनियम (1872) में आधारभूत एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का प्रस्ताव पेश किया है, जिसके अनुसार दंड तो मिलेगा, मगर समय रहते न्याय भी जल्दी मिलेगा। संपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया में परिवर्तन किया जा रहा है तथा पुलिस व न्यायालयों के एक निश्चित समय सीमा में अन्वेषण व द्रव्यल पूरा करने के लिए बाध्य किया जा रहा है तथा गैर-अनुपालन के लिए जिम्मेदार भी ठहराया जायेगा। इन अधिनियमों की किये जाने वाले कुछ बदलाव इस प्रकार से हैं।

1. भारतीय दंड प्रक्रिया सहिता (1860), भारतीय दंड प्रक्रिया सहिता 1873 व भारतीय साध्य अधिनियम 1872 के नए नाम क्रमशः इस प्रकार से होंगे।

2. भारतीय न्याय सहिता (2023), 2) भारतीय नायरिक सुरक्षा (2023) व भारतीय साध्य अधिनियम (2023)

3. राजदोह वाले अपराधों में परिवर्तन किया जाता रहा है, को पूर्णतयः समाप्त कर दिया गया है।

4. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना अनिवार्य होगा।

5. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी आवश्यक तौर पर करवाना आवश्यक होगा।

6. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

7. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

8. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी आवश्यक होगा।

9. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी आवश्यक होगा।

10. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

11. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

12. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

13. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

14. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

15. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

16. कोई व्यक्ति, यदि अपनी 18 वर्ष से कम आयु वाली पीड़ितों के बलाकर करवाना अनिवार्य होगा।

17. किसी लड़की को शारीर का झूठा बायदा/प्रलोभन दिया हो तो 10 साल तक सजा होगी।

18. कोई व्यक्ति, यदि अपनी 18 वर्ष से कम आयु वाली पीड़ितों के बलाकर करता है, तो उसे 10 साल तक की सजा होगी।

19. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

20. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

21. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

22. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

23. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

24. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

25. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

26. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

27. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

28. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

29. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

30. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

31. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

32. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

33. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

34. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

35. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

36. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

37. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

38. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

39. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।

40. योन अपराधों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी करवाना आवश्यक होगा।











## चूंच रील्स

सीमा हैदर ने मोदी व योगी को राखी भेजी लखनऊ। पाकिस्तान से भारत आयी सीमा हैदर वे प्रधानमंत्री नवोदय मोदी, गृहमंत्री अविन शाह, रक्षा मंत्री रजनाथ सिंह, उत्तराखण्डी योगी आदित्यनाथ और संघ प्रमुख मोहन भागवत को राखी भेजी है।

## 32 हजार करोड़ की योजनाओं से भव्य रूप ले रही अयोध्या

अयोध्या में 32 हजार करोड़ की योजनाएं आकर ले रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश व सख्ती के बाद विकास योजनाओं की गति बढ़ गयी है। रामलला की प्राणप्रतिष्ठा से पहले कई योजनाएं मूर्ति रूप ले रुकी हैं। रामलला के उद्घाटन के बाद विकास योजनाओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए जारी की गयी और इनमें पूरा कर जनवरी 2024 में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी है।

## हिमाचल में इकलौता नागलोक मंदिर बना

सोलन/शिमला। हिमाचल प्रदेश में शतपथीती और प्राचीन एवं भव्य मंदिरों की कई में एक और ऐतिहासिक मंदिर जुड़ने जा रहा है। सोलन जिले के सापुपुल में स्थापित रामलक मंदिर के परिसर में विश्व का इकलौता नागलोक मंदिर बनकर तैयार है।

# ब्रिक्स समिट में शामिल होने साथ अफ्रीका पहुंचे मोदी

एजेंसी

जोहान्सबर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मगलवार को 15वीं ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए साथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग पहुंच गये हैं। वहाँ उनका स्वागत गढ़ ऑफ ऑन के साथ किया गया। उन्हें रिसीव करने के लिए साथ अफ्रीका के उपराष्ट्रपति पॉल शिपोकोसा मैशाइल वाटरकलुफ एयरबेस पहुंचे। इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिदम बागची भी वहाँ मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत साथ अफ्रीका के ट्रेईशनल ट्राईबल डांस के साथ किया गया। पीएम ने एयरपोर्ट पर



भारतीय मूल के लोगों से भी

मुलाकात की। पीएम मोदी 24 अगस्त तक जोहान्सबर्ग शहर में रहेंगे। इस दौरान वो इफ्फर के कुछ सदस्य देशों के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे।

इससे पहले पीएम मोदी जुलाई 2018 में सातवें अफ्रीका गये थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। ऐसे में पीएम मोदी की उसे मुलाकात हो सकती है। ब्रिक्स समूह में भारत के अलावा चीन, रूस, साथ अफ्रीका और ब्राजील भी शामिल हैं।

## एमसीएल को गुणवत्ता सुधार के लिए मिला पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता



पुरस्कार प्राप्त किया।

एमसीएल के अध्यक्ष-सह-

प्रबंध निदेशक ओपी सिंह ने

कोयले की गुणवत्ता सुनिश्चित करने

के लिए अथक प्रयासों और प्रतिबद्धता के लिए टीम एमसीएल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आग्रहों की संरुचि के लिए गुणवत्ता के उच्चतम मानक बनाये रखने के हाथों प्रवास जारी रखने का चाहिए। इससे पहले कंपनी को वितर्व 2022-23 में गुणवत्ता आश्वासन के लिए कोयला मंत्री का पुरस्कार मिला था।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। महिला होम गार्ड आत्महत्या उद्यम मामला में आइपीएस ब्रिजेश राय का तबादला गाज़ी पुलिस मुख्यालय कटक में कर दिया गया है। ब्रिजेश राय अंगुल के डीआइजी थे। महिला होम गार्ड को कथित तौर पर ब्रिजेश राय की पत्नी ने लगातार बाताना दे रही थी। यानना को सहन करने में असमर्थ महिला गृह रक्षक ने कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जबकि महिला की जान बच गयी, परंतु उनका दोनों पैर खो दिये। महिला होम गार्ड अंगुल जिले के राणीगुड़ा की सैरिद्वारा साहू है।

ब्राजी

एवं

परंतु

उन्होंने

एवं

उन्होंने

एवं